Raj Express (Indore), 04th February 2023, Page – 02

एमएसएमई के डिजिटलीकरण को बढ़ावा दिया जाएगा

आईआईटी ने आयोजित किया सेमिनार

इंदौर (आरएनएन)। आईआईटी इंदौर दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने शुक्रवार को नेशनल राउंड टेबल एमएसएमई के डिजिटलीकरण करने के उद्देश्य से सेमिनार का आयोजन किया। जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, यह कार्यक्रम, प्रतिभागियों के बीच, चर्चा और विचार-विमर्श के माध्यम से एमएसएमई के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रौद्योगिकी की बाधाओं को और कौशल सेट की कमी को समझना और एमएसएमई और ओईएम के साथ स्टार्टअप को जोड़ना है।

प्रतिभागियों में इंदौर-पीथमपुर-देवास क्षेत्र से चालीस से अधिक एमएसएमई, आईआईटी इंदौर, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी जम्मू, आईआईटी कानपुर और अन्य प्रमुख संस्थानों के बारह वरिष्ठ प्रोफेसर, एमएसएमई के साथ काम करने वाले बारह स्टार्टअप संस्थापक और साथ ही पीएचडी विद्वान शामिल थे। कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने किया, जिन्होंने एमएसएमई में डिजिटल परिवर्तन को चलाने के लिए उद्योग और शिक्षाविदों के बीच सहयोग की आवश्यकता के बारे में बात की। एमएसएमई क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने में भूमिका निभाएगा। आईआईटी जैसे शैक्षणिक संस्थान और दृष्टि सीपीएस जैसे संगठन एमएसएमई को तकनीकी विशेषज्ञता और सहायता में भूमिका निभाते हैं।